केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 35 रविवार 24 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अर्जक संघ का जयन्ती समारोह 24 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अर्जक संघ द्वारा 24 अगस्त रविवार को दिन में 10 बजे से जयन्ती समारोह का आयोजन पटेल चौक के निकट स्थित स्वराज ड्रीम रिजॉर्ट एण्ड मैरेज हाल में किया गया है।

यह जानकारी देते हुये अर्जक संघ के जिलाध्यक्ष राम प्रकाश पटेल ने बताया कि संस्थापक महामना राम स्वरूप वर्मा के जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्जक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार भारती, विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक मोर्चा संयोजक यशवंत सिंह यादव, भारतीय दलित पैंथर के प्रदेश अध्यक्ष धनीराम बौद्ध, सामाजिक कार्यकर्ता अमृता भारती, रजनीश गंगवार, रामकेश निषाद, घनश्याम बहुजन, राम प्रकाश पटेल, जादूगर अशोक यादव सम्राट, आदि हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री उमेश चन्द्र वर्मा द्वारा किया जायेगा।

एफएलएन प्रशिक्षण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली (संतकबीर नगर)। पौली विकास क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में एफएलएन प्रशिक्षण का प्रथम बैच के पांचवें दिवस के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रधानाध्यापक भोलेंद्र नाथ यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कहा कि प्रशिक्षण लेने के पश्चात सभी गुरुजन विद्यालय पर जा कर बच्चों के बीच शिक्षण विधियों का उपयोग करे। जिससे बच्चों को सीखने मे सुलभता मिल सके। जिससे बुनियादी भाषा व गणित में दक्षताओं को हासिल करने में आसानी होगी। शिक्षण के दौरान टीएलएम का उपयोग अवश्य करे।

दो दिवसीय संगीत प्रतियोगिता में छा गये मेधावी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा एवं पं0 ज्वाला प्रसाद संगीत सेवा संस्थान के सौजन्य से दो दिवसीय शास्त्रीय, उप शास्त्रीय संगीत एवं सुगम संगीत की प्रतियोगिता का आयोजन बस्ती प्रेस क्लब में हुआ। जिसमें संगीत नाटक अकादमी से निर्णायक मण्डल में पवन कुमार तिवारी (सुगम संगीत), राहुल अवस्थी (शास्त्रीय संगीत), मंजू मलकानिया (कत्थक) एवं अनंत कुमार प्रजापति (तबला) शामिल हुए। प्रतियोगिता बहुत सराहनीय रहा। इस अवसर पर संगीत गुरु राजेश आर्या को उनकी शास्त्रीय संगीत में भूमिका पर निर्णायक मण्डल द्वारा बहुत सराहना की गई।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के अध्यक्ष विनोद उपाध्याय द्वारा किया गया। दो दिनों की इस प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल द्वारा शास्त्रीय संगीत गायन बाल वर्ग में स्वरांग प्रथम स्थान, किशोर वर्ग में रणविजय चक्रवर्ती प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान पर इशिता सिंह एवं युवा वर्ग में प्रथम स्थान पर अंशिका सिंह, द्वितीय स्थान पर रश्मि पांडेय व शिवम कुमार, तृतीय स्थान पर सदरे आलम व नव्या यादव रहे।

उप शास्त्रीय संगीत गायन में शिवांगिनी मिश्र प्रथम स्थान पर रही। सुगम संगीत गजल में किशोर वर्ग में दिव्यांशु पांडेय प्रथम स्थान एवं युवा वर्ग में प्रशांत पांडेय प्रथम स्थान पर रहे। सुगम संगीत भजन में बाल वर्ग में अध्ययन कुमार प्रथम स्थान, अनय सक्सेना द्वितीय स्थान, कृष्णा चौधरी तृतीय स्थान, किशोर वर्ग में ज्योति श्रीवास्तव प्रथम स्थान, शिवानी गौतम द्वितीय स्थान एवं युवा वर्ग में सूरज पांडेय प्रथम स्थान, राशिका सागर द्वितीय स्थान पर रहीं।

इस अवसर संस्था के सचिव संतोष श्रीवास्तव, संगीत गुरु दिग्विजय नाथ मिश्रा, संगीत शिक्षिका रजनी, नितेश, प्रमोद, शैलेश भी उपस्थित रहे।

अनिल अंबानी के घर सीबीआई का छापा, 17000 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (आभा) सीबीआई ने शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसके मालिक अनिल अंबानी के ठिकानों पर छापे मारे। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई बैंक में धोखाधड़ी के एक मामले में की गई है। आरोप है कि इस धोखाधड़ी से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को लगभग 2000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

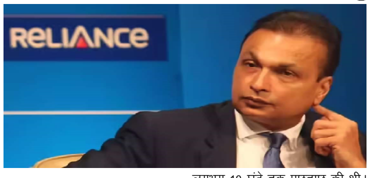

सीबीआई ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। सीबीआई का कहना है उसे इस मामले में कुछ गड़बड़ लग रही है। इससे पहले, 5 अगस्त को ईडी ने अनिल अंबानी से लगभग 10 घंटे तक पूछताछ की थी। यह पूछताछ 17000 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक लोन धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में थी।

अनिल अंबानी ने दस्तावेज जमा करने के लिए 10 दिन का समय मांगा था, लेकिन जांचकर्ता संतुष्ट नहीं हैं। ईडी को शक है कि यस बैंक द्वारा दिए गए लोन में गड़बड़ी हुई है और शेल कंपनियों के माध्यम से फंड को दूसरी जगह भेजा गया है। शेल कंपनियां ऐसी कंपनियां होती हैं जो सिर्फ नाम के लिए होती हैं और उनका कोई वास्तविक कारोबार नहीं होता।

ईडी के आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड पर 5,901 करोड़ रुपये से अधिक, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड पर 8,226 करोड़ रुपये से अधिक और आरकॉम पर लगभग 4,105 करोड़ रुपये का कर्ज है। यह कर्ज लगभग 20 सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंकों के एक समूह का है, जिसमें यस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक शामिल हैं।

पुण्य तिथि पर याद किये गये पूर्व सांसद कल्पनाथ सोनकर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व सांसद कल्पनाथ सोनकर को उनकी 15 वीं पुण्य तिथि पर शनिवार को उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। उनके पुत्र पूर्व विधायक रवि सोनकर व परिवार के सदस्यों ने बनकटा स्थित वृद्ध महिला आश्रम में फल वितरित किया। दक्षिण दरवाजा स्थित कार्यालय पर उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पूर्व सांसद कल्पनाथ सोनकर के पुत्र रवि सोनकर ने कहा कि उनके पिता सदैव गरीबों, वंचितों के हितों और हक–हकूक के लिए संघर्ष करते रहे। नियति ने उन्हें हमसे असमय ही छीन लिया। प्रयास रहता है कि उनकी स्मृति में गरीबों की जितनी सेवा संभव हो, की जाए। उनकी स्मृति में पौधरोपण किया गया।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, भाजपा नेता एवं नगर पंचायत अध्यक्ष नगर के प्रतिनिधि राना दिनेश प्रताप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, अनिल दूबे, रघुनाथ सिंह, अजय सिंह गौतम, बालकृष्ण उर्फ पिन्टू तिवारी, राजेश पाल चौधरी, जगदीश शुक्ला, प्रभात कुमार गौतम, अमृत वर्मा, भानु प्रकाश मिश्र, मनोज सोनकर, अरविन्द सोनकर, प्रमोद कन्नौजिया, विनोद सोनकर, गोपाल मद्धेशिया, हरिराम सोनकर आदि ने पूर्व सांसद कल्पनाथ सोनकर के चित्र पर पुष्पार्चन करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

खाद संकट के विरोध में आम आदमी पार्टी ने तहसीलों में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में खाद का संकट बना हुआ है, किसान परेशान हैं। इन सवालों को लेकर आम आदमी पार्टी ने शनिवार को तहसील मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। पार्टी के जिला अध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में जिले की सभी चारों तहसीलों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने धरना–प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा। डॉ. राम सुभाष वर्मा ने स्वयं रुधौली तहसील और भानपुर तहसील में पहुंचकर किसानों की समस्याओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने के बाद पार्टी नेताओं ने कहा कि जिले में किसानों को समय पर खाद नहीं मिल रही है, जिससे खेती पर बुरा असर पड़ रहा है।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए खाद वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग की। ज्ञापन में मांग किया गया है कि जल्द से जल्द किसानों को उचित मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जाए, वरना पार्टी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से बस्ती जिला सह प्रभारी पतिराम आजाद, प्रांतीय उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल, मिथलेश भारती, चंद्रभान कनौजिया, मोहम्मद इसहाक, अनिल कुमार चौधरी,राम सजन सूर्यवंशी, दिलीप कुमार यादव के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ प्रदेश मंत्री बने सुधीर सिंह का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना की अनुशंसा पर सुधीर सिंह को प्रदेश मंत्री का दायित्व सौंपा है। बस्ती जनपद के धौरहरा पिपरा गौतम निवासी सुधीर सिंह को प्रदेश मंत्री बनाये जाने पर विश्व हिन्दू महासंघ में प्रसन्नता है। शनिवार को महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में जिला अस्पताल के निकट स्थित शिविर कार्यालय पर सुधीर सिंह का फूल मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। अखिलेश सिंह ने कहा कि सुधीर सिंह के प्रदेश मंत्री बनने से महासंघ को और मजबूती मिली है।

प्रदेश मंत्री बनाये जाने पर सुधीर सिंह ने स्वागत के बाद कहा कि महासंघ ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है उसका निष्ठा से पालन किया जायेगा। सुधीर सिंह को प्रदेश मंत्री बनाये जाने पर कुलदीप मिश्रा, अर्पण श्रीवास्तव , सौरभ चतुर्वेदी , महेंद्र सिंह , लालू यादव, वीरेंद्र कुमार, चंद्रमौलि त्रिपाठी, विपिन मिश्रा, उज्जवल सिंह, देवनारायण यादव, घनश्याम तिवारी और भुसावल तिवारी, विजय मौर्य, उज्जवल सिंह अनुज दुबे, हरि ओम, देवेंद्र यादव, वीरेंद्र यादव, सोनू सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 100 मरीजों का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत पेट्रोलियम द्वारा एस. जे.एस. फिलिंग स्टेशन दुबखरा द्वारा सब्जी मण्डी के निकट नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क औषधि उपलब्ध करायी गई। फिलिंग स्टेशन के प्रोपराइटर सचिन सिंह ने बताया कि उदया हास्पिटल के चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने 100 मरीजों का उपचार किया गया। इसी कड़ी में पचपेडिया स्थित आर्थिक संकट से गुजर रहे एक परिवार को खाद्यान्न और आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी गई। सचिन सिंह ने बताया कि नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। शिविर को सम्पन्न कराने में उदया हास्पिटल के चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ही करून सिंह, महेश सिंह, विकास सिंह, अजय यादव, विनोद निषाद, लाल बहादुर यादव आदि ने योगदान दिया।

पौराणिक भद्रेश्वनाथ मंदिर के लिये होगा कारीडोर का निर्माण– दयाराम चौधरी

–पार्टी नेतृत्व ने अवसर दिया तो लड़ूंगा 2027 का विधानसभा चुनाव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने प्रेस क्लब सभागार में पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि पौराणिक भद्रेश्वनाथ मंदिर के लिये कारीडोर का निर्माण कराया जायेगा। बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वार्ता के दौरान इसकी सहमति दे दिया है और अति शीघ्र इस पर कार्य आरम्भ हो जायेगा। पत्रकारों द्वारा यह पूंछे जाने पर कि क्या वे 2027 में विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे, दयाराम चौधरी ने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व ने अवसर दिया तो वे चुनाव लड़ने को तैयार है।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि वे किसान परिवार से हैं और मुण्डेरवा चीनी मिल बंद हो

जाने के बाद क्षेत्रीय नागरिक परेशान थे, वे उस समय विधायक थे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिल शुरू कराने का आग्रह किया। इसका परिणाम सुखद रहा और मुण्डेरवा में अत्याधुनिक चीनी मिल चल रही है। इससे गन्ना किसानों के दिन बहुर गये, हजारों लोगों को मिल में नौकरियां मिली और मुण्डेरवा कस्बे की चहल पहल लौट आयी। व्यापारियों के रोजगार में वृद्धि हुई। कहा कि भद्रेश्वनाथ मंदिर के लिये कारीडोर का निर्माण हो जाने से यह क्षेत्र पर्यटन के रूप में विकसित होगा और श्रद्धालुओं को सुखद अनुभूति होगी। कहा कि अपने विधायक के कार्यकाल में उन्होने सड़कों का तेजी से निर्माण कराया और उसका लाभ लोगों को मिल रहा है। भद्रेश्वरनाथ मंदिर का सौन्दर्यीकरण कराया गया।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि कॉरिडोर के बन जाने पर भद्रेश्वरनाथ मंदिर से लेकर महाराणा प्रताप चौराह (जिला कारागार के पास) तक की तस्वीर बदल जाएगी। पूर्व विधायक ने कहा कि मैं जब जिला पंचायत अध्यक्ष था तो मैंने देखा कि वहां बाहर के लोग ठेका लेते थे और वसूली करते थे., मेरे कार्यकाल में जिला पंचायत द्वारा इसको बंद करवाया गया, कांवड़ियों के रहने और ठहरने के लिए यात्री छाजन आदि की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था कराया। तब से जिला पंचायत भद्रेश्वरनाथ ने अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

एकीकरण समिति की बैठक में एकजुटता पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । जिला एकीकरण समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी, जिसमें राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता एवं लोकतंत्र की भावना बढाने, सम्प्रदायिक एकता एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण निरन्तर कायम रखने पर जोर दिया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि समिति के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य है कि जनपद में सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा रखते हुए अपने–अपने क्षेत्रों में काम करें। उन्होने कहा कि अन्तर्जातिय/अन्तर्धामिक विवाह प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत पुरस्कृत किए गये नागरिको को आंमत्रित कर सम्मानित किया जाय। उन्होने कहा कि जिला एकीकरण समिति की बैठक समयान्तर्गत कराते हुए, के बारे में सदस्यों को समय से अवगत कराया जाय, जिससे पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित हो सकें।

बैठक में समिति के सदस्य विधायक प्रतिनिधि हर्रैया सरोज मिश्रा, कप्तानगंज गुलाब चन्द्र सोनकर, महादेवा फूल चन्द्र श्रीवास्तव, सरदार जगवीर सिंह, मजहर आजाद, स्कन्द शुक्ला, अनुराग श्रीवास्तव व अर्जुन उपाध्याय आदि ने भी अपने विचार/सुझाव को साझा किया। बैठक में सीडीओ सार्थक अग्रवाल, एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, एएसपी ओम प्रकाश सिंह, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार सिंह, पीडी राजेश कुमार, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ला, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी विकास नारायण, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी ए.के. गुप्ता, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

डीआईजी से मिले धीरसेन निषाद:कहा आरोप झूठे, उन्हे षड़यंत्रपूर्वक फंसाया जा रहा है

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत रूधौली बाजार के अध्यक्ष धीरसेन निषाद ने शनिवार को डी. आई.जी. से मिलकर अपने विरूद्ध लगाये गये कथित आरोपों से सम्बंधित पत्र सौंपा। कहा कि उन्हें अनावश्यक रूप से फंसाने की कोशिश की जा रही है। वे पूरी तरह से निर्दोष है। जिलाधिकारी द्वारा गठित कमेटी में भी वे निर्दोष पाये गये हैं। डी.आई.जी. संजीव त्यागी ने प्रकरण को सुना और पुलिस अधीक्षक को मामले में वार्ता कर समुचित निर्देश दिया।

डी. आई.जी. को धीरसेन निषाद ने बताया कि कि नन्दलाल वर्मा पुत्र केशवचन्द्र वर्मा पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के व्योतहरा का निवासी है और उनसे राजनीतिक दुशमनी रखता है। आये दिन फेसबुक, सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से अर्नगल आरोप उसके द्वारा लगाया जाता है। उसके द्वारा लगाये गये अनेक आरोपों की जांच जिलाधिकारी द्वारा गठित कमेटी से कराया गया इसमें सारे मामले निराधार और झूठे पाये गये। वह दो बच्चों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पर धरने पर बैठ गया और भ्रम फैला रहा है। उसके द्वारा धन उगाही के उद्देश्य से मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। बताया कि नन्दलाल वर्मा ने स्वयं उन्हें पत्र लिखकर बकाया धनराशि दिलाये जाने का उल्लेख किया था। यही नहीं नन्दलाल ने थानाध्यक्ष रूधाली को जो पत्र दिया था उसमें भी उनका और लिपिक प्रेम प्रकाश पटेल का नाम नहीं है।

नगर पंचायत रूधौली बाजार के अध्यक्ष धीरसेन निषाद ने डीआईजी से मांग किया कि नन्दलाल के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराकर कार्यवाही कराया जाय। उन्हें अकारण फंसाया जा रहा है। वे पूरी तरह से निर्दोष है।

एक राष्ट्र एक चुनाव के पदाधिकारियों का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–वन नेशन वन इलेक्शन के लिये जागरूकता का निर्णय

बस्ती । शनिवार को एक राष्ट्र एक चुनाव के क्षेत्रीय संयोजक भूपेन्द्र सिंह राणा की अध्यक्षता में एक बैठक भाजपा के वरिष्ठ नेता आलोक पाण्डेय के पुराना डाकखाना के निकट स्थित आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक में वन नेशन वन इलेक्शन के संदेश से लोगों को जोड़ने, गांव–गांव संदेश ले जाने, छात्रों, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में जन जागरूकता किये जाने पर विचार किया गया। भूपेन्द्र सिंह राणा ने बताया कि एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर प्रदेश स्तरीय सम्मेलन की तैयारियां चल रही है। अति शीघ्र उसके तिथि की घोषणा की जायेगी।

बैठक से पूर्व एक राष्ट्र एक चुनाव के जिला संयोजक एवं शिवहर्ष किसान पी.जी. कालेज छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष सचिन सिंह, जिला सह संयोजक ए.पी.एन. पी. जी. कालेज छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष अभिष पाण्डेय सोनू का फूल मालाओं के साथ उपस्थित लोगों ने स्वागत किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि वन नेशन वन इलेक्शन हेतु जागरूकता के लिये चरणबद्ध ढंग से अभियान जारी रहेगा। बैठक में मुख्य रूप से छात्र नेता नरेन्द्र सिंह, आलोक पाण्डेय, जीवन पाण्डेय, दिनेश प्रताप सिंह श्रीनेत्र, अभिनव उपाध्याय, रिंकू सिंह , अभिषेक सिंह आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन में बनाया संवाद

शैक्षणिक गुणवत्ता पहली प्राथमिकता- शिखा चतुर्वेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को राजन इण्टर नेशनल एकेडमी में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रबन्ध निदेशक शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि एकेडमी में शैक्षणिक गुणवत्ता प्राथमिकता है। शिक्षक अभिभावक सम्मेलन में जो सुझाव आये हैं उनका त्वरित निस्तारण कराया जायेगा। अभिभावकों ने सम्मेलन में रचनात्मक सुझाव के साथ ही खामियों पर भी ध्यान दिलाया। कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने अभिभावकों से शिक्षा के सम्बन्ध में उनके अनुभवों को साझा किया। प्रधानाचार्य सानू एन्टोनी ने कहा कि परस्पर संवाद से नये द्वार खुलते हैं। शिक्षक, अभिभावक और एकेडमी सबकी यही प्राथमिकता है कि छात्रों को उच्च कोटि की शिक्षा उपलब्ध हो। इस दिशा में निरन्तर गुणात्मक सुधार जारी है।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन में प्ले वे कक्षा 10 तक के छात्रों का यूनिट टेस्ट की कापियां अभिभावको को दिखायी गई। अच्छे परिणाम से अभिभावक संतुष्ट रहे।

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन में अमित मिश्रा, सौरभ पाण्डेय, जीत यदुवंश, शिवांस उपाध्याय, पुनीता त्रिपाठी, इशिका श्रीवास्तव शिक्षा, प्रमिला, रेखा श्रीवास्तव, प्रभा त्रिपाठी,नीलम श्रीवास्तव निशु उपाध्याय, अर्चना पटेल, श्वेता त्रिपाठी, सुस्मिता मन्ना, गोपाल, किरन सिबस्टन, हर्षिका शुक्ला, निशा वेदिका रीतिका, खदीजा, शाहनाज, अर्चना द्विवेदी, अनुराधा, नलिनी श्रीवास्तव, सुमन दुबे, आकृति पांडे, पूनम, शालिनी, संगीता, मनीषा गुप्ता, नलिन, वैभव पांडेय, अमित मिश्रा, सौरभ पांडेय, माया शुक्ला, श्रद्धा पाण्डेय, तहजीब मिर्जा जरीन ज्वेल, गोपाल सिंह, मनीष मिश्रा, रामस्वरूप यादव अखिलेश, मोहम्मद अजीम, अरुण बहादुर श्रीवास्तव, प्रवीण मिश्रा, राम निरंजन गुप्ता आदि ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 24 अगस्त 2025 रविवार

सम्पादकीय

ऑन लाइन मनी गेमिंग पर रोक

यह एक हकीकत है कि ऑन लाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति को भी बदहाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में हर साल 45 करोड़ लोग बीस हजार करोड़ गवां देते हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते हैं। सवाल इन लालच जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं के बाद सरकार ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। दरअसल, सरकार का मानना है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग एक सामाजिक और जन स्वास्थ्य के लिये घातक समस्या है। सरकार के मुताबिक, वह ई–स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। निर्विवाद रूप से हाल के वर्षों में ऑनलाइन स्किल गेमिंग उद्योग ने तेजी से विस्तार किया है। जिसमें पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों और फिल्मी सितारों के प्रचार की भी भूमिका रही है। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। इसमें सरकार को राजस्व की भारी हानि भी हो सकती है।

वहीं तसवीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि कई उद्यमी तेजी से उभरते इस गेमिंग व्यवसाय के पराभव की चिंता जता रहे हैं। बताया जाता है कि देश में जो ग्यारह सौ से अधिक गेमिंग कंपनियां तथा करीब चार सौ स्टार्टअप ऑनलाइन गेमिंग उद्योग से जुड़े हैं, जिनके नियमन के बारे में सोचा जा सकता था। उनकी चिंता है कि इससे बड़ी संख्या में नौकरियां जा सकती हैं। लेकिन सरकार का कहना है कि उसने जनकल्याण को ध्यान में रखकर यह फैसला लिया है। लेकिन दूसरी ओर चिंता जतायी जा रही है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग के वैध प्लेटफॉर्म बंद होने से खेलने वाले लोग अनियमित विदेशी ऑपरेटरों के शिकार बन सकते हैं। इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। निस्संदेह, वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ–साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतरू छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन–शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं। निस्संदेह, यह मामला सभी हितधारकों के लिये एक चेतावनी है, लेकिन इस बाबत कोई भी जल्दबाजी वाली प्रतिक्रिया नहीं दी जानी चाहिए। इसके बजाय, ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान हो सकता था। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत थी। इस अभियान में गैर–कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुर्माना भी लगाया जा सकता था। वहीं दूसरी ओर बड़े–बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी की जा सकती थी। ऐसे में तेजी से उभरते इस आर्थिक क्षेत्र को डूबने से भी बचाया जा सकता था। कभी–कभी कड़े प्रतिबंध जैसे कठोर कदम उल्टा असर भी डाल सकते हैं।

मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार का खेल, कागजी आदर्श, असली पंचायतें पीछे क्यों ?

–अखिल कुमार यादव–

ग्राम पंचायतें भारतीय लोकतंत्र की असली जड़ें हैं। संविधान ने इन्हें तीसरे दर्जे की सरकार का दर्जा देकर यह संदेश दिया कि गाँव ही लोकतंत्र की असली प्रयोगशाला हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब पंचायतों को मजबूत बनाने के लिए योजनाएँ बनती हैं, तो क्या वे सचमुच अपने उद्देश्य को हासिल करती हैं? उत्तर प्रदेश सरकार की "मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना" इसी प्रश्न का ज्वलंत उदाहरण है। कागज पर यह योजना बेहतरीन दिखती है, लेकिन जमीनी अमल पर संदेह गहराते जा रहे हैं। इस पुरस्कार योजना का उद्देश्य था कि हर जिले से पाँच पंचायतें चुनी जाएँ, जिन्हें उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया जाए। चयनित पंचायतों को प्रशस्ति पत्र के साथ–साथ 10 से 35 लाख रुपये तक का अतिरिक्त अनुदान भी मिले, ताकि वे विकास और आय–वृद्धि के नए अवसर पैदा करें। सरकार की मंशा यह थी कि ये पंचायतें जिले की अन्य पंचायतों के लिए आदर्श मॉडल बनें और प्रतियोगिता की स्वस्थ भावना विकसित हो। पंचायतों का कार्यक्षेत्र व्यापक हैकृसड़क, बिजली, पानी, सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला व बाल कल्याण तक। अगर इन्हीं कामों को कसौटी मानकर पुरस्कार दिया जाए, तो यह न केवल सम्मान होगा, बल्कि काम को और तेजी से करने की प्रेरणा भी बनेगा। यही सोचकर इस योजना की रूपरेखा बनाई गई। चयन प्रक्रिया को वैज्ञानिक और निष्पक्ष बनाने की कोशिश की गई। आवेदन करने वाली पंचायतों को राज्य पोर्टल पर 50 सवालों की प्रश्नावली भरनी होती है। मूल्यांकन 9 थीम्स पर आधारित होता है और कुल 100 अंकों में अंक दिए जाते हैं। न्यूनतम पात्रता सीमा 60: अंक तय की गई है। नौ थीमों का सार यह है कि ग्राम पंचायत का समग्र विकास तभी संभव है जब वह गरीबी–मुक्त हो और बेहतर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए, ताकि रोजगार योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके।

पंचायत को इतना सक्षम होना चाहिए कि वह स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के लाभ, टीकाकरण और पोषण कार्यक्रमों के जरिए हर परिवार को स्वस्थ जीवन दे सके। इसके साथ ही पंचायत को बच्चों के प्रति संवेदनशील रहते हुए उन्हें आंगनबाड़ी और स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षा और विकास का वातावरण प्रदान करना चाहिए। पर्याप्त जल–युक्त पंचायत का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हर घर तक नल–जल योजना का लाभ पहुँचे, जल संरक्षण की परंपरा मजबूत हो और सभी को स्वच्छ पेयजल सुलभ हो। इसी क्रम में पंचायत का स्वरूप स्वच्छ और हरित होना चाहिए, जहाँ शौचालयों की सार्वभौमिक उपलब्धता हो, ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था कायम हो और वृक्षारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जाए। बुनियादी ढाँचे के स्तर पर पंचायत आत्मनिर्भर बने, जिसमें सड़क, बिजली, रोशनी, पंचायत भवन और डिजिटल सुविधा जैसी आधारभूत आवश्यकताओं की समुचित पूर्ति हो। सामाजिक सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जिसके तहत पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचे और सामाजिक न्याय की गारंटी सुनिश्चित की जा सके। इन सबके केंद्र में सुशासन होना चाहिए, जो पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करे, ग्रामसभा को सक्रिय बनाए और यह सुनिश्चित करे कि प्रत्येक सेवा समय पर और प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचे। अंततः एक आदर्श पंचायत वह होगी जो महिला–हितैषी भी बने, जहाँ महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा जाए, स्व–सहायता समूह सक्रिय हों, उन्हें नेतृत्व के अवसर मिलें और समान अधिकारों के साथ उनके योगदान को मान्यता मिले। अर्थात सरकार ने ग्राम पंचायतों को सीधे वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (DGs) से जोड़ा है। पंचायत स्तर पर गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, लैंगिक समानता और सुशासन जैसे विषयों को विकास की कसौटी माना गया। इन लक्ष्यों की झलक अब गांवों की छोटी–छोटी इकाइयों यानी पंचायतों में भी दिखने लगी है। इसके लिए एक व्यवस्थित चयन प्रक्रिया तय की गई है। प्रत्येक जिले से अधिकतम पाँच पंचायतें ही चुनी जाती हैं और किसी एक विकासखंड से दो से अधिक पंचायतों का चयन नहीं किया जाता। सबसे पहले जिला प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (DPAC) आवेदन पत्रों की जाँच करती है और भौतिक सत्यापन करती है, जिसका गठन संबंधित जिले के जिलाधिकारी द्वारा शासन की गाइड लाइन के अनुसार की जाती है। इसके बाद राज्य स्तरीय समिति (PAC) अंतिम निर्णय लेती है और चयनित पंचायतों की सूची जारी करती है। कागज पर यह पूरी प्रक्रिया बिल्कुल पारदर्शी और निष्पक्ष दिखाई देती है। लेकिन असली सवाल इसके क्रियान्वयन पर उठते हैं। चयन और मूल्यांकन की इस प्रक्रिया को लेकर गांव के स्तर पर जो अनुभव सामने आते हैं, वे अक्सर कागजी पारदर्शिता से मेल नहीं खाते।

बस्ती का मामला– विवाद और अविश्वास

बस्ती जिले में वर्ष 2024 के लिए चयनित पंचायतों को लेकर शुरुआत से ही विवाद खड़ा हो गया। आरोप लगे कि चयनित पंचायतें पुरस्कार की कसौटी पर खरी नहीं उतरतीं। शिकायतें आईं कि बिना भौतिक सत्यापन के फाइलें फ्रीज कर दी गईं, फर्जी तस्वीरें और दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। आपत्ति के अनुक्रम में जांच बैठाई गई और प्रारंभिक स्तर पर चयन पर रोक भी लगी। उस समय लगा कि प्रक्रिया पारदर्शी होगी और वास्तविक सच्चाई सामने आएगी। लेकिन जांच का नतीजा अब भी ढाक के तीन पात बना हुआ हैं। इससे यह धारणा मजबूत हुई कि नौकरशाही ने गंभीरता से मामले को नहीं लिया और पूरी प्रक्रिया महज औपचारिकता बना रखा हैं। यह घटना न केवल पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करती है, बल्कि मेहनत से काम करने वाली अन्य पंचायतों के उत्साह को भी तोड़ देती है। अगर आदर्श पंचायत का चयन ही संदिग्ध होगा, तो यह योजना प्रेरणा के बजाय हताशा फैलाएगी। नौकरशाही की भूमिका और उसका कमजोर अमल योजना की सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आता है। योजना का ढांचा भले ही मजबूत और दूरदर्शी बनाया गया हो, लेकिन उसकी आत्मा तभी जीवित रहती है जब अमल ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ किया जाए। अभी हालात इसके उलट हैं। कई बार डिजिटल साक्ष्य बिना जियो–टैग और टाइम–स्टैम्प के स्वीकार कर लिए जाते हैं, जिससे प्रमाणिकता पर सवाल खड़े होते हैं। फील्ड वेरिफिकेशन केवल औपचारिकता बनकर रह गया है, जमीनी हकीकत की जांच का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। आपत्तियों और अपील का निस्तारण भी पारदर्शी ढंग से न हो पाने के कारण भरोसा डगमगाने लगता है। परिणाम यह होता है कि योजना का असली मकसद खो जाता है, अच्छी पंचायतें पीछे छूट जाती हैं और चयन प्रक्रिया संदेहों के घेरे में आ जाती है। ग्राम पंचायतें लोकतंत्र की पहली सीढ़ी हैं। अगर इन्हें आदर्श बनाना है तो चयन प्रक्रिया को न सिर्फ पारदर्शी बल्कि प्रेरणादायक बनाना होगा। "मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार" सिर्फ राशि देने का औजार नहीं है, यह विश्वास का निवेश है। अगर यह भरोसा टूटेगा, तो पंचायती व्यवस्था पर ही लोगों का विश्वास डगमगा जाएगा।दरअसल, इस योजना का असली मूल्य केवल वित्तीय अनुदान में नहीं, बल्कि उस संदेश में है जो यह बाकी पंचायतों को देता है। एक आदर्श पंचायत की मिसाल देखकर जब अन्य पंचायतें उसी राह पर चलने की कोशिश करेंगी, तभी यह चक्र विकास और सुशासन का बनेगा। लेकिन अगर उदाहरण ही संदेहास्पद हों, तो प्रेरणा की जगह उपहास पनपेगा।

यह पुरस्कार तभी सार्थक होगा जब आदर्श पंचायतें सिर्फ कागज पर नहीं, बल्कि जमीन पर काम करती दिखें। सरकार को चाहिए कि वह नियम पुस्तिका से आगे बढ़कर ईमानदार क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। तभी यह योजना वास्तव में गाँवों के लिए विकास का वाहक बनेगी और लोकतंत्र की जड़ों को और गहराई देगी। अन्यथा यह योजना भी उन योजनाओं की तरह हो जाएगी, जिनका नाम तो बहुत है, लेकिन असर गाँव की गलियों में नहीं दिखता।

झूठे मुकदमों का कारोबार और अधिवक्ता

–डॉ. प्रियंका सौरभ–

भारतीय न्याय व्यवस्था की नींव सत्य और न्याय पर आधारित है। न्यायालय को हमेशा से समाज का सबसे बड़ा सहारा माना जाता रहा है। जब अन्याय पीड़ित व्यक्ति हर दरवाजे पर ठोकर खाकर थक जाता है, तब उसे अदालत से ही उम्मीद रहती है। लेकिन यह उम्मीद तब कमजोर पड़ जाती है जब न्याय का सहारा बनने वाले लोग ही उसे अपने स्वार्थ और लालच का साधन बना लेते हैं। हाल ही में लखनऊ की अदालत ने एक वकील परमानंद गुप्ता को 29 झूठे मुकदमे दर्ज कराने के अपराध में उम्रकैद और पाँच लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। यह फैसला एक उदाहरण है कि न्यायपालिका कानून का दुरुपयोग करने वालों को बख्शेगी नहीं। यह केवल एक व्यक्ति की सजा नहीं है, बल्कि पूरे समाज और न्यायिक व्यवस्था के लिए चेतावनी है कि कानून का मजाक उड़ाने वालों की कोई जगह नहीं।

वकील पेशे को समाज में हमेशा सम्मानित दृष्टि से देखा जाता है। वकील को केवल मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं, बल्कि न्यायालय का अधिकारी भी माना जाता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह सत्य और न्याय के लिए संघर्ष करेगा। लेकिन जब वही वकील झूठे मुकदमों का निर्माण करने लगे, निर्दोषों को फँसाने लगे, और अपने पेशे का इस्तेमाल व्यक्तिगत दुश्मनी या आर्थिक लाभ के लिए करने लगे, तो यह न केवल उसकी आचार संहिता का उल्लंघन है बल्कि पूरे पेशे की गरिमा पर भी प्रश्नचिह्न है। एक वकील जो अदालत में सत्य का पक्षधर होना चाहिए, अगर असत्य का सबसे बड़ा हथियार बन जाए तो समाज में न्याय की कोई गारंटी नहीं रह जाती।

झूठे मुकदमों का असर केवल आरोपित व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। यह उसके परिवार, उसकी सामाजिक स्थिति और उसकी आर्थिक स्थिति तक को झकझोर देता है। वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, बेगुनाही साबित करने के लिए सबूत जुटाने पड़ते हैं और मानसिक यातना अलग से झेलनी पड़ती है। समाज भी ऐसे व्यक्ति को संदेह की दृष्टि से देखने लगता है। इससे उसका आत्मविश्वास टूट जाता है और धीरे–धीरे कानून और अदालत पर से विश्वास उठने लगता है। यही सबसे बड़ा नुकसान है, क्योंकि न्याय पर से भरोसा खत्म होना किसी भी समाज के लिए सबसे खतरनाक स्थिति है।

झूठे मुकदमों की समस्या यह भी है कि यह असली पीड़ितों के मामलों को कमजोर करती है। जब कोई कानून, जैसे एससी–एसटी एक्ट, जिसका उद्देश्य कमजोर वर्गों की सुरक्षा करना है, झूठे मुकदमों में इस्तेमाल किया जाता है तो वास्तविक पीड़ितों की आवाज दब जाती है। अदालतों को यह तय करने में अधिक समय लग जाता है कि कौन–सा मामला सच है और कौन–सा झूठा। नतीजा यह होता है कि असली पीड़ितों को न्याय मिलने में देर होती है और उनका दर्द बढ़ जाता है।

इसलिए आज आवश्यकता है कि झूठे मुकदमे गढ़ने वाले और उन्हें अदालत में आगे बढ़ाने वाले वकीलों पर कठोरतम कार्रवाई हो। यदि कोई डॉक्टर लापरवाही करता है, तो उस पर केस चलता है। यदि कोई इंजीनियर खराब निर्माण करता है तो उसे दंडित किया जाता है। तो फिर वकील, जो न्याय के प्रहरी हैं, यदि झूठे मुकदमों का व्यापार करें, तो उन्हें भी आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और न्याय में बाधा डालने जैसी धाराओं में दंडित किया जाना चाहिए। उनकी प्रैक्टिस पर रोक लगनी चाहिए और बार काउंसिल को उनके लाइसेंस रद्द करने चाहिए।

यह केवल कानून की सख्ती का मामला नहीं है, बल्कि वकालत के पेशे की मर्यादा का प्रश्न है। जब तक झूठे मुकदमों के निर्माण और संचालन में शामिल वकीलों पर मुकदमे नहीं चलेंगे, तब तक यह कुप्रथा बंद नहीं होगी। अदालतें जितनी कठोर सजा देंगी, उतना ही यह संदेश समाज में जाएगा कि कानून का दुरुपयोग करने वालों की कोई जगह नहीं।

न्याय व्यवस्था को बचाने के लिए आवश्यक है कि कानून में ऐसे प्रावधान हों जिससे झूठे मुकदमों की पहचान होने पर तुरंत कार्रवाई हो। वकीलों की जवाबदेही तय करनी होगी। अगर यह साबित हो कि किसी वकील ने जानबूझकर मुवक्किल को झूठे मुकदमे के लिए उकसाया, तो उस पर केवल पेशेवर कार्रवाई न हो बल्कि आपराधिक मुकदमा भी दर्ज हो। इस कदम से न केवल निर्दोष लोगों की रक्षा होगी बल्कि वकालत का पेशा भी अपने वास्तविक उद्देश्य न्याय की सेवा के लिए जाना जाएगा। लखनऊ की अदालत का फैसला पूरे देश के लिए मिसाल है। इसने साबित किया है कि न्यायालय केवल आरोपी और अपराधी के बीच निर्णय करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की पवित्रता को भी सुरक्षित रखने वाला प्रहरी है। यदि वकील अपने कर्तव्य से भटकेंगे, तो वे भी अपराधी की श्रेणी में आएँगे और उन्हें उसी प्रकार दंड मिलेगा जैसे अन्य अपराधियों को मिलता है।

अब समय आ गया है कि समाज और न्यायपालिका दोनों मिलकर वकालत के पेशे को अपराध का साधन बनने से बचाएँ। बार काउंसिल ऑफ इंडिया को चाहिए कि वह वकीलों के लिए कठोर आचार संहिता लागू करे और झूठे मुकदमों में लिप्त पाए जाने पर तत्काल लाइसेंस रद्द करे। अदालतों को चाहिए कि वे ऐसे मामलों की सुनवाई तेजी से पूरी करें ताकि न्याय केवल होता हुआ नजर ही न आए बल्कि सही समय पर मिले भी।

वकीलों को भी आत्ममंथन करना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि उनका पहला कर्तव्य केवल मुवक्किल की जीत नहीं बल्कि न्याय की जीत है। यदि इस सोच को अपनाया जाए तो न्यायालय में पेश होने वाला हर वकील समाज की नजरों में वास्तविक प्रहरी होगा, न कि अपराध का भागीदार। न्याय केवल कागजों पर लिखा शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था है। और यह आस्था तभी बनी रहेगी जब न्याय के रक्षक भी पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्य का पालन करेंगे।

झूठे मुकदमों से केवल अदालतों का बोझ नहीं बढ़ता बल्कि समाज का विश्वास भी टूटता है। निर्दोष लोग जब सालों तक जेलों में सड़ते हैं, तब उनके परिवार बर्बाद हो जाते हैं। उनकी मासूम जिंदगियाँ खत्म हो जाती हैं। ऐसे समय में अदालतों से सख्त और स्पष्ट संदेश मिलना ही समाज को यह विश्वास दिलाता है कि न्याय जीवित है और उसकी रक्षा की जा रही है।

लखनऊ का फैसला इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह न केवल एक अपराधी वकील को दंडित करने का मामला है बल्कि पूरे देश को यह चेतावनी है कि झूठे मुकदमे गढ़ने और चलाने वालों के लिए अब जगह नहीं बची है। यह संदेश हर उस वकील को याद दिलाना चाहिए जो कभी भी असत्य के रास्ते पर जाने का प्रयास करेगा। कानून और अदालत किसी के भी दबाव या छलावे में नहीं आने वाले।

इसलिए जरूरी है कि इस फैसले को समाज एक आदर्श की तरह देखे और इसे पूरे देश में लागू करने की कोशिश की जाए। वकीलों को भी चाहिए कि वे इस घटना से सीख लें और यह संकल्प लें कि वे अपने पेशे की गरिमा को कभी धूमिल नहीं होने देंगे। तभी न्याय वास्तव में न्याय कहलाएगा और अदालतें आम आदमी के लिए भरोसे का सबसे बड़ा आधार बन सकेंगी।

मानसून के लिए नई रणनीति की जरूरत

–श्रवन प्रभु–

जलवायु परिवर्तन ने मानसून के पैटर्न में बदलाव किया है और भारी बारिश की घटनाओं को बढ़ाया है, भारत की नीतियों, योजनाओं और डेटा प्रणालियों को इसके साथ तालमेल बनाना चाहिए। लचीलापन विकसित करने का अर्थ है कि आसमान अभी हमें जो बता रहा है, उसके अनुरूप खुद को ढालना है, न कि पहले से क्या करते आ रहे थे, उसे दोहराना।

दक्षिण–पश्चिम मानसून को भारत की जल और खाद्य तंत्र की रीढ़ कहा जाता है, जो जून से सितंबर के बीच देश में लगभग तीन–चौथाई वार्षिक वर्षा लाता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस साल सामान्य से अधिक मानसून का अनुमान लगाया है। लेकिन इसमें सिर्फ यही मायने नहीं रखता है कि कुल कितनी बारिश हुई, बल्कि यह भी अहम है कि कब, कहां और कैसी बारिश हुई है। जलवायु परिवर्तन ने बारिश के पैटर्न को अनियमित बनाया है।

वर्ष 2025 में अब तक का मानसून पूरे देश में भारी और कम वर्षा की विरोधी घटनाओं से भरा हुआ है। जुलाई में अच्छी बारिश ने खरीफ की बुवाई को तेज कर दिया, माह के अंत तक 70.8 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बुवाई हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 4.1 प्रतिशत अधिक रही। दूसरी तरफ केरल, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों को अत्यधिक बारिश से जूझना पड़ा है, जिससे अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं।

सीईईडब्ल्यू के एक अध्ययन में पाया गया कि 55 प्रतिशत तहसीलों में जून से सितंबर के बीच कुल बारिश बढ़ी है। खास बात यह कि यह बढ़ोतरी भारी बारिश वाले दिनों की संख्या बढ़ने से हुई है।

नेचर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार पिछले चार दशकों में प्रति घंटे बारिश के पैटर्न की पड़ताल में सामने आया है कि मध्य भारत में कम समय में भारी बारिश और उत्तर–पश्चिमी तट पर लंबे समय तक भारी बारिश की घटनाएं अधिक संख्या में हो रही हैं।

पिछले दो दशकों में भारत सरकार और राज्य सरकारों ने मौसम पूर्वानुमान प्रणालियों में उल्लेखनीय रूप से निवेश किया है और देश व राज्यों के स्तर पर जलवायु कार्य योजनाएं शुरू की हैं। जिस तरह से जलवायु परिवर्तन बढ़ रहा है, और बारिश में तेजी से अनियमितता आ रही है, इसका सामना करने की क्षमता विकसित करने में ये तीन कदम सहायक हो सकते हैं।

पहला, शहरों को बीते कल के औसत के लिए नहीं, बल्कि आज के तूफानों के लिए योजना बनानी चाहिए। शहरी स्थानीय निकायों को बाढ़ का सामना करने के लिए बनाई जाने वाली योजना का दोबारा मूल्यांकन करना चाहिए। पारंपरिक बाढ़ प्रबंधन इस ऐतिहासिक डेटा पर निर्भर करता है कि कितनी बार और कितनी भारी बारिश हुई है, जिसे तूफानी घटनाओं की तीव्रता–अवधि–आवृत्ति कहा जाता है। लेकिन अब यह विश्वसनीय नहीं रह गया है, क्योंकि तापमान बढ़ने के साथ हवा में नमी की मात्रा बढ़ जाती है, जिसका मतलब लंबे समय तक सूखा पड़ना और फिर बहुत तेज बारिश होना है। महाराष्ट्र के ठाणे में पुराने जल–निकासी तंत्र (ड्रेनेज सिस्टम) को एक घंटे की अधिकतम बारिश को संभालने के लिए नहीं बनाया गया था, जबकि बीते एक दशक में औसतन बारिश 64 मिमी प्रति घंटा रही है। (संदर्भ के लिए, 100 मिमी प्रति घंटा बारिश को बादल फटना माना जाता है।) इसे समझते हुए, ठाणे नगर निगम ने अपने बाढ़ के खतरे के अनुमानों में बदलाव किया है और अब अपने तूफानी जल–निकासी वाले नालों (स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स) को फिर से बना रहा है। भारत के अन्य शहरों को भी ऐसा करना चाहिए।

दूसरा, किसानों को अपने फसल कैलेंडर को अपडेट करने की जरूरत है। बारिश के बदलते पैटर्न के साथ, राज्यों और केंद्रीय कृषि विभागों और मौसम विज्ञान एजेंसियों को मिलकर फसल कैलेंडर को अपडेट करना चाहिए, खास तौर पर जिन क्षेत्रों में वर्षा आधारित खेती होती है। अध्ययन से पता चलता है कि अनिश्चित मानसूनी बारिश विशेष रूप से धान, मक्का और दालों जैसी प्रमुख फसलों के बुवाई और कटाई के मौसम को बदल रही है।

रोजगार मेले में 362 में से 251 युवाओं का चयन, 10 कंपनियों ने की भर्ती

संवाददाता—गोण्डा। जिले के करनैलगंज नगर क्षेत्र के अंतर्गतकन्हैयालाल इंटर कॉलेज में शनिवार को आयोजित रोजगार मेले में 251 युवक—युवतियों को रोजगार का अवसर मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करनैलगंज विधायक अजय सिंह थे, जबकि अध्यक्षता कॉलेज के प्रधानाचार्य मेजर राजाराम ने की। संचालन शिक्षक शिवकुमार पाठक ने किया।

विधायक अजय सिंह ने प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत आयोजित इस रोजगार मेले को युवाओं के लिए सुनहरा अवसर बताते हुए कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकारें युवाओं को रोजगार देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी हो या निजी क्षेत्र, नौकरी का कोई भी अवसर युवाओं के लिए जीवन में आगे बढ़ने की राह खोलता है। उन्होंने कहा कि यह रोजगार मेला प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की रोजगार सृजन के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाकर उन्हें राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का अवसर मिल रहा है। देश भर में अब तक ऐसे मेलों के माध्यम से 10 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं।

इस मेले में कुल 10 निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कुल 362 प्रतिभागियों में से 251 युवक—युवतियों का चयन हुआ। कार्यक्रम में कॉलेज के एनसीसी कैडेटों ने अनुशासन एवं प्रबंधन में अहम भूमिका निभाई।

इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि रामजीलाल मोदनवाल, धर्मेंद्र तिवारी, दिनेश दूबे सहित कॉलेज के शिक्षक, छात्र—छात्राएं तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

637 विद्यालयों में हुई गणित ओलंपियाड की परीक्षा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बेसिक शिक्षा विभाग के निर्देश के क्रम में जनपद के सभी उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के 6 से 8 स्तर तक के बच्चों की गणित ओलंपियाड परीक्षा कराई गई। ब्लॉक स्तर पर यह परीक्षा 24 से 26 सितंबर तथा जनपद स्तर पर यह प्रतियोगिता 14 और 15 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने बताया कि विद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता संपन्न हो चुकी है। जिसमें प्रत्येक विद्यालय से दो बच्चों का चयन किया जाएगा। ब्लॉक स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में टॉप 10 छात्रों का चयन किया जाएगा जो जनपद स्तर की परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे। जनपद स्तर की परीक्षा में टॉप 5 बच्चों का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। बताया कि प्रतियोगिता के प्रश्नपत्र में 30 सवाल थे, जिसमें 20 बहुविकल्पीय और 10 वस्तुनिष्ठ सवाल थे। सवाल कक्षा पांच से सात के स्तर के थे। विद्यालय स्तर पर यह प्रश्नपत्र ब्लैक बोर्ड पर लिखा गया, जबकि आगे की प्रतियोगिताओं में प्रश्नपत्र लिखित रूप में दिए जाएंगे। बताया कि परिषदीय विद्यालयों में गणित ओलंपियाड परीक्षाएँ छात्रों की गणितीय प्रतिभा और तर्क कौशल को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की जाती हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार एसएसबी जवान की मौत

संवाददाता—देवरिया। थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में एसएसबी के जवान की मौत हो गई। मृतक की पहचान बलिया जनपद के नगरा थाना क्षेत्र के टियरा हैदरपुर गांव निवासी सतेंद्र कुमार यादव (30) के रूप में हुई है। हादसे के बाद चालक ट्रेलर लेकर भागने में सफल रहा। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, सतेंद्र कुमार यादव गोरखपुर में एसएसबी में तैनात थे। शनिवार की सुबह वह ड्यूटी से छुट्टी लेकर अपने घर बलिया लौट रहे थे। गोरखपुर से बाइक से रवाना हुए और जब मईल चौराहे पर पहुंचे, तभी कुंडौली की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सतेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को खबर दी। मईल थाने की पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पास से मिले आधार कार्ड और परिचय पत्र के आधार पर पहचान की और परिजनों को सूचना दी। परिजनों को हादसे की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। पत्नी, माता—पिता और परिवारजन का रो—रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने कहा कि मईल चौराहे पर बड़े वाहनों की तेज रफ्तार और यातायात नियंत्रण की कमी के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। थानाध्यक्ष दिलीप सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। फरार ट्रेलर चालक की तलाश में पुलिस टीम सक्रिय है। इस हादसे के बाद क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि चौराहे पर पुलिस चौकी और यातायात व्यवस्था दुरुस्त की जाए, ताकि आगे ऐसी घटनाएं न हों।

नाबालिग को 70 हजार में बेचने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस ने नाबालिग लड़की की खरीद—फरोख्त के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देश पर कोतवाली भिनगा पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की। दरअसल पीड़िता ने कोतवाली भिनगा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाते हुए बताया था कि आरोपी ने उसे 70,000 रुपये में बेचा। उसे जान से मारने की धमकी देकर भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर रानी में बंद कर रखा गया था। सूचना पर तत्काल कोतवाली भिनगा पुलिस अलर्ट हुई। पुलिस ने 23 अगस्त को भिनगा—बहराइच मार्ग स्थित भकला राप्ती पुल के पास से आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में ओंकारनाथ, केवलराम उर्फ केवल प्रसाद, आशाराम उर्फ रवि उर्फ मास्टर, फेरई और झलूसे शामिल हैं। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी ओंकारनाथ, आशाराम सोनवा थाना क्षेत्र के इटरौरी गांव के रहने वाले हैं। केवलराम हरिहरपुर रानी का निवासी है। फेरई और झलूसे कोतवाली भिनगा क्षेत्र के नेवादा और चमरपुरवा के रहने वाले हैं।

पयागपुर के परसिया में विज्ञान प्रदर्शनी कार्यशाला, छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता—बहराइच। उच्च प्राथमिक विद्यालय परसिया आलम में द्वितीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2025 के अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें विज्ञान प्रदर्शनी, निबंध, पोस्टर और वाद—विवाद प्रतियोगिताएं शामिल थीं। प्रभारी प्रधानाध्यापक नवल कुमार पाठक ने बताया कि इस वर्ष का विषय आर्यभट्ट से गगनयान प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाएँ है। यह विषय भारत की खगोलीय विरासत से लेकर गगनयान तक की यात्रा को प्रदर्शित करता है। यह दिवस चंद्रयान—3 की सफलता की याद में मनाया जाता है। 23 अगस्त 2023 को विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग और प्रज्ञान रोवर की स्थापना ने भारत को एक नई ऊंचाई दी। भारत चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बना और दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया। कार्यक्रम में सहायक अध्यापिका संध्या रानी ने छात्राओं को विज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। प्रतियोगिताओं में निबंध में प्रशांत कुमार तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में खुशी तिवारी, निशा बिन्दु और कोमल संयुक्त विजेता रहे। वाद—विवाद में सुभाष, रामदेव, अनुज, अभिषेक और विवेक कुमार ने संयुक्त रूप से जीत हासिल की। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष, ग्राम प्रधान के साथ संतोष मिश्रा और शब्बीर अहमद सहित कई अभिभावक मौजूद रहे।

दो इनामी बदमाश समेत तीन गिरफ्तार

संवाददाता—बहराइच। पुलिस ने दो इनामी बदमाशों समेत तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। रिसिया थाना और एसओजी की संयुक्त टीम ने रिसिया थाना क्षेत्र के बलदानपुरवा मोड़ से इन्हें पकड़ा। पकड़े गए आरोपियों में शिवम पाठक, शहादत अली और राशिद शामिल हैं। शिवम पाठक पर 20 हजार और शहादत अली पर 15 हजार का इनाम घोषित था। शिवम पंडितपुरवा कोदही का रहने वाला है। शहादत अली डिहवा शेर बहादुर सिंह का निवासी है। राशिद जैता बाजार का रहने वाला है, जो फिलहाल लखनऊ के इंदिरा नगर में रह रहा था। पूछताछ में आरोपियों ने कई जगहों से मोटरसाइकिल चोरी करना कबूल किया। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने गोदनी बसाही के एक बंद भट्ठे से 12 चोरी की बाइक बरामद कीं। साथ ही एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और नकदी भी मिली। एसओजी प्रभारी मनोज सिंह और थाना प्रभारी मदनलाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। तीनों बदमाशों के खिलाफ विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

यूरिया की कालाबाजारी रोकने की मांग

संवाददाता—बहराइच। किसानों को यूरिया खाद की समस्या से जूझना पड़ रहा है। सहकारी समितियों पर किसान सुबह से शाम तक लाइन में खड़े रहते हैं। फिर भी उन्हें समय पर यूरिया नहीं मिल पा रहा है। आम आदमी पार्टी ने इस मुद्दे को उठाया है। शनिवार को पार्टी के जिला अध्यक्ष फिरोज हैदर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन राज्यपाल के नाम था, जिसमें पांच सूत्रीय मांगें रखी गईं।

गोपाल मंदिर में मनाया गया कुशोत्पाटिनी अमावस्या महोत्सव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या शनिवार और उदयातिथि में मनाई गई कुशोत्पाटिनी अमावस्या। कुशोत्पाटिनी अमावस्या का मतलब है कि कुश को उखाड़ना। आज के दिन कुश को शास्त्रीय मंत्रोच्चार के साथ उखाड़ जाता है और इसका उपयोग पूरे वर्ष भर सभी शुभ कर्म में उपयोग किया जाता है साथ ही साथ आज ही के दिन उखाड़े गए कुश को देवताओं को भी पूरे वर्ष अर्पित किया जाता है। इस अमावस्या के दिन स्नान दान भोज भंडारे का विशेष महत्व है।कुशोत्पाटिनी अमावस्या गोपाल मंदिर में मंदिर के महंत विशंभर दास महाराज के संयोजन में प्रत्येक वर्ष हर्षोल्लास साथ मनाया जाता है इस दिन संत महंत वैदिक विद्वान कुश को पूजन अर्चन के साथ उखाड़ करके अपने घर लाते हैं और इस उत्सव को और गति देने के लिए श्री महाराज जी ऐसे संतो महंतों और विद्वान जनों को प्रत्येक वर्ष प्रसाद ग्रहण करते हैं जिसमें हजारों की संख्या में संत महंत वैदिक आचार्य सम्मिलित होते हैं। गोपाल मंदिर के आचार्य वीरेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि वैदिक सनातन धर्म में कुशोत्पाटिनी अमावस्या का बड़ा महत्व है इस दिन स्नान ध्यान करके प्रत्येक व्यक्ति को दान देना चाहिए और अपने नित्य कर्म के लिए कुश को उखाड़ करके घर लाना चाहिए जिससे वह पूरे वर्ष भर सभी धार्मिक अनुष्ठान में कुश का प्रयोग कर सकें। इस दिन के उखाड़े गए कुश से पूरे साल भर वैदिक विद्वान धार्मिक अनुष्ठान यज्ञ जप पूजा पाठ निरंतर करते हैं। शास्त्रों में ऐसा वर्णित है कि भद्र मास की अमावस्या तिथि को ही मंत्र पूजन अनुष्ठान के साथ कुश को उखाड़ कर लाया जाता है और यही कुश पूरे वर्ष भर प्रयोग किया जाता है। इस दिन के अलावा धार्मिक अनुष्ठान में प्रयोग करने वाला कुश नहीं उखाड़ जाता है। उन्होंने बताया कि महाराज जी के द्वारा गतकई वर्षों से यह उत्सव को बड़े ही हर्षोल्लास साथ मनाया जाता जिसमें पूरे अयोध्या के हजारों की संख्या में संत महंत उपस्थित होते हैं प्रसाद ग्रहण करते हैं। कुशोत्पाटिनी अमावस्या के बारे में लोगों का ज्ञानवर्धन करते हैं और उसके महत्व को बताते हैं। इस अवसर पर महंत रामलोचन शरण सहित सैकड़ो की संख्या में संत महंत उपस्थित हुए प्रसाद ग्रहण किया और भाद्र पक्ष कृष्ण पक्ष की अमावस्या के बारे में लोगों को जानकारी दी।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री का जनसंवादः सड़क, बिजली, पानी समेत कई समस्याओं पर सुनी शिकायतें

संवाददाता—महराजगंज। धनेवा स्थित आवासीय कैम्प कार्यालय पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को जनसुनवाई की। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं।

मंत्री ने सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजस्व से जुड़ी शिकायतें सुनीं। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, वृद्धा पेंशन और शौचालय निर्माण से जुड़ी समस्याएं भी सामने आईं। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके बाद कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक में संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच सेतु का काम करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाने का आग्रह किया।

पंकज चौधरी ने उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि, हर घर नल योजना, पीएम आवास योजना और सड़क विकास योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से करोड़ों परिवार लाभान्वित हुए हैं।

मंत्री ने कार्यकर्ताओं से घर—घर जाकर इन योजनाओं का प्रचार करने और पात्र लोगों को लाभ दिलाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र पर काम कर रही है। महराजगंज में विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

कक्षा 8 पास ड्रॉपआउट बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाएंगे डीएम

संवाददाता—बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने परिषदीय विद्यालयों के कक्षा 8 उत्तीर्ण छात्रों को उच्च कक्षाओं में प्रवेश दिलाने का अभियान शुरू किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम ने खंड शिक्षा अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ड्रॉपआउट बच्चों के सर्वे के दौरान उनकी पारिवारिक स्थिति की जानकारी भी जुटाई जाए। इससे धनाभाव के कारण पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों के परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा। जिला विद्यालय निरीक्षक को यू—डायस डाटा के जरिए सभी माध्यमिक विद्यालयों की छात्र क्षमता और फीस स्ट्रक्चर का विवरण जुटाने को कहा गया है। इससे गरीब बच्चों को फीस में छूट या माफी दी जा सकेगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी को आईसीडीएस विभाग से 12 से 18 वर्ष की ड्रॉपआउट बालिकाओं का डाटा लेने का निर्देश दिया गया है। इन बालिकाओं को न सिर्फ स्कूल में प्रवेश दिलाया जाएगा, बल्कि बालिका उत्थान योजनाओं का लाभ भी दिया जाएगा। बैठक में बीएसए आशीष कुमार सिंह और कुछ विकास खंडों के शिक्षा अधिकारी मौजूद थे। डीआईओएस सर्वदानंद समेत अन्य खंड शिक्षा अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया।

पूर्वाचार्य महंत जयराम दास महाराज को संतों ने किया नमन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि दर्शन मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध लवकुश मंदिर के पूर्वाचार्य महंत जयराम दास महाराज के 23 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। शनिवार को लव—कुश मंदिर के वर्तमान महान रामकेवल दास के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्यानगरी के संत—महंतों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके कृतित्व—व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। महंत रामकेवल दास महाराज ने कहा कि उनके गुरूदेव भजनानंदी संत थे और उनका व्यक्तित्व बहुत सरल था। यही कारण था कि रामनगरी के संत—महंत उनका आदरपूर्वक सम्मान करते थे। उन्होंने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। मैं भी गुरूदेव के बतलाए हुए मार्ग पर चलकर मंदिर के उत्तरोत्तर विकास में कृत—संकल्पित हूं।

श्री दास ने बताया कि पुण्यतिथि कार्यक्रम के क्रम में सर्वप्रथम प्रातरूकाल साकेतवासी महंत की प्रतिमा पर पंचामृत से अभिषेक हुआ। तत्पश्चात नवीन वस्त्र धारण कराकर आरती—पूजन किया गया। उसके बाद संत—महंत और भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। अतिथियों का स्वागत उत्तराधिकारी महंत रामदास ने किया। पुण्यतिथि के अवसर पर हनुमानगढ़ी के शीर्ष महंत ज्ञानदास महाराज के उत्तराधिकारी संजय दास, हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास, रामकचेहरी महंत शशिकांत दास, पत्थर मंदिर महंत मनीष दास, महंत माधवदास रामायणी, डॉ. महेश दास, महंत रामकुमार दास, प्रेममूर्ति कृष्णकांत दास, कृष्णकुमार जयपुरिया खलीलाबाद, महंत शिवराम दास, नागा रामलखन दास, पार्षद पुजारी रमेश दास, ओम दास, संतदास आदि उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में आने से मजदूर की मौत, मकान निर्माण का हो रहा था काम

संवाददाता—देवरिया। सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के रामगुलाम टोला पिडरा पूर्वी वार्ड नंबर 9 में शनिवार को करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। घटना एक निजी स्कूल के सामने मकान निर्माण कार्य के दौरान हुई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

मृतक की पहचान 35 वर्षीय विजय शर्मा पुत्र स्व. सवरेजी, निवासी थाना रामपुर कारखाना क्षेत्र के सौरेजी गांव के रूप में हुई है। विजय दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण—पोषण करते थे। वह शनिवार को प्रशांत सिंह के मकान में प्लास्टर का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक 33 हजार वोल्टेज की लाइन की चपेट में आ गए।

तेज करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के समय मौजूद अन्य लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश पर सफल नहीं हुए। देखते ही देखते विजय की सांसें थम गईं। हादसे की सूचना फैलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

सूचना पाकर सदर कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज भेज दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंच मामले की जांच कर की। विजय के निधन की खबर सुनते ही परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल हो गया। इस घटना के बाद परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

मृतक अपने पीछे पत्नी और छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए तथा बच्चों की शिक्षा के लिए विशेष सहायता सुनिश्चित की जाए, ताकि परिवार के भरण—पोषण और भविष्य की चिंता कम हो सके। कोतवाल डीके सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

यूरिया के लिए किसान बेजार, समितियों पर नहीं थम रही कतार

संवाददाता—गोण्डा। जिले में खरीफ सीजन की शुरुआत से ही उर्वरक की समस्या सामने आने लगी थी लेकिन जिम्मेदारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। बीते कुछ दिनों से किसानों के समक्ष खाद की समस्या मुंह बाए खड़ी है। हालांकि, उर्वरक की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए जिले के अफसर छापेमारी के साथ ही समितियों पर भी पहुंच रहे हैं लेकिन स्थिति ज्यों कि त्यों बनी हुई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जिले में पांच लाख से ज्यादा किसान है। बताया जा रहा है कि गोंडा जिले के लिए 68 हजार 500 मीट्रिक टन यूरिया का आवंटन किया गया है। इसके सापेक्ष 67 हजार मीट्रिक टन जिले में यूरिया आ चुकी है। 1500 मीट्रिक टन एक—दो दिन में आने की उम्मीद है। फिलहाल जिले में 850 सक्रिय निजी दुकानों और 120 सहकारी समितियों के माध्यम से यूरिया का वितरण किया जा रहा है। जिले की सदर तहसील क्षेत्र के धानेपुर क्षेत्र में खाद को लेकर सबसे ज्यादा किसानों की भीड़ देखने को मिली है। इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा गन्ना का उत्पादन होता है। इसके अलावा जिले के रुपईडीह, ब्लॉक क्षेत्र में भी किसानों को खाद के लिए समितियों पर लाइन लगाकर अपने नंबर का इंतजार करते हुए देखा गया है। इस क्षेत्र में धान की सबसे ज्यादा खेती होती है। इसके अलावा गन्ना भी बोया जाता है। इसकी वजह से किसान इस क्षेत्र में उर्वरक पाने को लेकर पूरे दिन जद्दोजेहद करते नजर आ रहे हैं। मनकापुर, छपिया, बभनजोत क्षेत्र में धान व गन्ने की खेती बड़े पैमाने पर होती है। वजीरगंज क्षेत्र में सब्जियों की सबसे ज्यादा खेती होती है। इस क्षेत्र में भी किसान यूरिया खाद लेने के लिए समितियों के चक्कर काट रहे हैं। जिले के धानेपुर क्षेत्र की सहकारी समितियों पर यूरिया लेने को लेकर महिलाएं लाइनों में लगी हैं। महिलाओं का कहना है कि खाद लेने के लिए वह सुबह ही लाइन में लग गई थी लेकिन उन्हें सिर्फ एक बोरी खाद ही मिल सकी है। जबकि उन्हें तीन से चार बोरी खाद की आवश्यकता थी इसकी वजह से उन्हें कई दिनों तक लाइन लगाना पड़ सकता है। जिले में हर दिन किसानों को खाद के लिए समितियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं वहीं कुछ क्षेत्रों में लोग एक समिति से दूसरी समिति पर यूरिया लेने के लिए दौड़ लगा रहे हैं। कुछ जगहों पर तो परिवार के चार सदस्य हैं तो वह अलग—अलग समितियों पर पहुंचकर यूरिया पाने के लिए नंबर लगा रहे हैं। बताया जाता है कि पड़ोसी जिले के कुछ किसान भी नजदीक की समितियों पर पहुंचकर यूरिया ले रहे हैं। विभागीय जानकारी के मुताबिक इसकी भनक लगते ही अफसर सक्रिय हो गए और समितियों पर आधार कार्ड के साथ खतौनी अनिवार्य कर दिया तो कुछ जगहों पर किसानों की भीड़ कम करने में सफलता मिली है। आखिर कहां जा रही यूरिया, समितियों पर बढ़ रही भीड़रू जिले में खरीफ सीजन की शुरुआत होने की साथ ही खाद को लेकर अफरा—तफरी का माहौल बन गया। इससे किसान के साथ ही जिले के अफसर भी पूरी तरह से परेशान हो गए हैं। अफसरों का कहना है कि जिले को मिलने वाली खाद पर्याप्त मात्रा में दी गई है। उसके बाद भी इस भीड़ की वजह समझ में नहीं आ रही है। लोगों का कहना है कि जब पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है तो ऐसी स्थिति क्यों बन रही है। आखिर यूरिया कहां जा रही है और समितियों पर भीड़ क्यों बढ़ती जा रही है। इस समस्या से निजात आखिर कैसे मिलेगी। जानकारों का कहना है कि खतौनी और आधार कार्ड अनिवार्य करने से कुछ हद तक राहत मिल गई है। लेकिन अभी स्थिति सामान्य होने में कुछ और समय लग सकता है। सबसे ज्यादा सदर तहसील के मुजेहना ब्लॉक क्षेत्र में यूरिया को लेकर भीड़ देखी गई है। इसकी वजह यह है कि इस क्षेत्र में गन्ने की सर्वाधिक खेती होती है। इसकी वजह से किसान को अधिक यूरिया की आवश्यकता पड़ती है। वजीरगंज क्षेत्र में सब्जियों के साथ अन्य फसलें उगाई जाती हैं। इसकी वजह से यहां के किसानों को खाद की आवश्यकता रहती है। जिले में किसान खाद लेने के लिए लाइनों में जद्दोजहद कर रहे हैं। भीड़ अधिक होने की दशा में स्थानीय थाने की पुलिस किसानों को लाइनों में लगाकर खाद बंटवा रही है। हालात ऐसे हैं कि कई समितियों पर तो किसान को यूरिया नहीं मिली तो धरने पर बैठ गए। जिले में भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने किसानों को खाद नहीं मिलने पर धरना प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। किसानों की मांग है कि समय से किसानों को उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो आने वाले दिनों में किसान आंदोलन करना शुरू कर देंगे।

अतिक्रमण पर कार्रवाई

संवाददाता—बलरामपुर। नगर पालिका परिषद ने शहर में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत सड़कों, नालियों, सरकारी भूमि और सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। शनिवार को नगर पालिका रोड पर जेसीबी मशीन की मदद से अतिक्रमण हटाने का काम किया गया। यह अभियान नई बस्ती, घासमंडी रोड समेत शहर के कई इलाकों में चलाया जा रहा है। नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपना अतिक्रमण स्वेच्छा से हटा लें। ऐसा न करने पर प्रशासन कार्रवाई करेगा और जुर्माना भी लगाएगा। पालिका का लक्ष्य शहर को स्वच्छ और सुगम बनाना है।

बेटे के प्रोटोकॉल पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने दी सफाई, बोले– बात संज्ञान में आई तो की कार्रवाई

संवाददाता–अयोध्या। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शनिवार को अयोध्या पहुंचे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने अपने बेटे अभिषेक सिंह को निजी सचिव की ओर से प्रोटोकॉल दिए जाने पर सफाई पेश की। उन्होंने कहा कि इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं होनी चाहिए थी। यह भाजपा है, अलग पार्टी है। यह वंशवाद, जातिवाद और परिवारवाद से ऊपर उठकर पार्टी है। आठ वर्षों में कभी ऐसी हरकत नहीं हुई।

पहली बार ऐसी हरकत कैसे हुई, इसको देखा गया। ऐसा नहीं होना चाहिए था। यह परिवार की पार्टी थोड़ी न है। हम लोगों को 40 साल हो गया राजनीति में। जब यह बात संज्ञान में आई तो हमने कार्रवाई की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से किसानों के लिए खाद की किल्लत पर एक्स पर किए गए पोस्ट पर स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि 2017 के पहले राज्य के अंदर भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी, लूटपाट, अपहरण और हत्याएं होती थीं। लाइट भी नहीं आती थी। कुछ वीआईपी जिले थे, जहां बिजली आती थी। न सड़क न बिजली न पानी था। उन्होंने कहा कि आज पूरे राज्य के अंदर डबल इंजन की सरकार में सभी गरीबों को फ्री में अन्न मिल रहा है। आयुष्मान का कार्ड है। शौचालय है। सभी का पक्का मकान बन रहा है। अच्छी सड़कों का जाल है। रेलवे कनेक्टिविटी है। एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी है। आज देश और दुनिया से लोग राज्य के अंदर आ रहे हैं, जिसके कारण यहां की स्थिति मजबूत हो रही है और सुदृढ़ हो रही है। लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं। खाद की किल्लत पर जल शक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदेश में खाद उपलब्ध है। किसानों को खाद उपलब्ध हो रही है। रोज हम बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में जा रहे हैं। राहत सामग्री बाढ़ पीड़ितों को बांटी जा रही है। पीड़ितों का मकान गिरने पर उनका तुरंत सर्वे कर मुआवजा दिया जा रहा है। राहत सामग्री किट भी बाढ़ पीड़ितों को वितरित की जा रही है।

इंटर कॉलेज टीचर ने बेहोश होने तक छात्रा को पीटा

संवाददाता–अयोध्या। इंटर कॉलेज के टीचर ने एक छात्रा को इतना पीटा की वो बेहोश हो गई। यहां तक की उसे बचाने आईं अन्य दो छात्राओं पर भी टीचर ने डंडे बरसा दिए। टीचर छात्रा से कुछ दिनों से नाराज था। इसी गुस्से में उसने छात्रा को डंडे से बुरी तरह बेरहमी से पीटा। इंटर कॉलेज प्रशासन ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी टीचर को हटा दिया। वहीं, गांव वालों ने छात्रा के लिए इंसाफ की मांग करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामला अयोध्या के बीकापुर तहसील स्थित भारतीय इंटर कॉलेज का है। जानकारी के अनुसार टीचर छात्राओं से ट्यूशन पढ़ने को कहता था। उसी की कक्षा की छात्रा सुहानी साहू ने कुछ दिन पहले उसकी शिकायत की थी कि टीचर पढ़ाता नहीं है। इसी बात से नाराज टीचर ने शनिवार को सुहानी को डंडे से पीटना शुरू कर दिया। टीचर को पिटाई करते देख सुहानी की सहेलियां उसे बचाने आई तो उनपर भी आरोपी टीचर ने डंडे बरसा दिए। वहीं, पिटाई से सुहानी की हालत बिगड़ गई और वो बेहोश हो गई। इंटर कॉलेज के प्रशासन को इसकी जानकारी हुई तो इलाज के लिए सुहानी को पहले पास ही बीकापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां भी सुहानी को एक घंटे तक होश नहीं आया तो उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों के साथ अन्य गांव वाले भी विद्यालय पहुंचे और गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि अभी भी सुहानी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हंगामें की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। परिजनों ने मांग की है कि आरोपी को बर्खास्त कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो। उप निरीक्षक ने आरोपी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। विद्यालय प्रशासन ने घटना की जांच के लिए एक समिति गठित की है। प्रबंधक ने कहा– जांच के बाद दोषी शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बस्ती विकास प्राधिकरण

संख्या–1085 / ब०वि०प्रा०बस्ती / 2025–26 दिनांक–23.08.2025

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती आभा शाह, राकेश कुमार सिंह पुत्र श्री वंशराज सिंह गाटा सं0–89.90 / 1.91 / 3मि०, 92 / 4 मि०, मोहल्ला–पिकौरा दत्तूराय परगना बस्ती पूरब तहसील व जनपद बस्ती द्वारा उक्त गाटे में नर्सिंगहोम / हास्पिटल के निर्माण के सम्बन्ध में मानचित्र संख्या–219 / 2022.23 दिनांक–20.03.2023 को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है। पक्ष द्वारा उक्त भूखण्ड में नर्सिंगहोम / हास्पिटल के उपयोग हेतु निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

पूर्व में बस्ती महायोजना–2021 के अनुसार उक्त स्थल का भू–उपयोग आवासीय था। वर्तमान बस्ती महायोजना–2031(भाग–क) में उक्त स्थल का भू–उपयोग व्यवसायिक (बाजार स्ट्रीट) हो गया है। उक्त स्थल का भू–उपयोग बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) के अन्तर्गत 30मी० चौड़ी महायोजना मार्ग बाजार स्ट्रीट के अन्तर्गत आता है। बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) में संलग्न भू–उपयोग जोन्स 15.3.2 में विभिन्न क्रियाओं की अनुमन्यता से सम्बन्धित जोन मैट्रिक्स में 5.7 नर्सिंगहोम / हास्पिटल (व्यवसायिक) बाजार स्ट्रीट भू–उपयोग के अन्तर्गत सामान्यतः अनुमन्य है। बस्ती महायोजना–2031 (भाग–क) के अध्याय 11 (जोनिंग नियम) के प्रस्तर 11.8.1 'प्रमुख भू–उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं / क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया / उपयोग (भले ही जोनिंग रेगुलेशन्स के अनुसार ऐसी क्रिया / उपयोग सामान्यतः अनुमन्य / सशर्त अनुमन्यधविशेष अनुमति से अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु न्यूनतम एक माह की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से अपात्ति / सुझाव उचित माध्यमों से आमंत्रित किये जायेगे एवं इन आपत्तियों / सुझावों के निस्तारण के उपरांत ही स्वीकृति / अस्वीकृति की कार्यवाही की जाएगी।

यदि उक्त भूमि पर नर्सिंगहोम / हास्पिटल निर्माण हेतु मानचित्र स्वीकृत किए जाने में किसी को कोई आपत्ति हो तो. एक माह के अंदर साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष अथवा बस्ती विकास प्राधिकरण, बस्ती के कार्यालय में दर्ज करा सकता है, एक माह की अवधि के उपरांत किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा एवं निक्रमानुसार मानचित्र स्वीकृति के संबंध में कार्यवाही कर दी जाएगी।

सचिव
बस्ती विकास प्राधिकरण,
बस्ती।

वी–मार्ट की पार्किंग में लगी आग, 3 वाहन जलकर राख

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के मेडिकल रोड स्थित वी–मार्ट की बिल्डिंग में शनिवार सुबह अचानक आग लगने से अफरा–तफरी मच गई।

घटना सुबह करीब 7:30 बजे की है। बताया जा रहा है कि बेसमेंट पार्किंग में शॉर्ट सर्किट से आग भड़की, जो देखते ही देखते विकराल रूप ले ली। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। करीब 10 मिनट में टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड की दो टैंकर गाड़ियों ने लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान गुलरिहा थाने की पुलिस भी मौजूद रही और भीड़ को नियंत्रित करती रही। आग की चपेट में आने से एक बुलेट, एक एवेंजर बाइक और एक स्कूटी पूरी तरह जलकर राख हो गई। वहीं, फायर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पार्किंग में खड़ी 10 बाइक और 3 कार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायर स्टेशन ऑफिसर शांतनू यादव ने बताया कि आग लगने का कारण प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। फिलहाल वास्तविक वजह की पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सीएम योगी ने एक साथ दो कल्याण मंडपम की दी सौगात, कहा- हर गरीब को मिलेगा सिर ढंकने का हक

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में योगीराज बाबा गंभीरनाथ नगर के मानबेला और राप्तीनगर विस्तार के टोला पीरु शहीद में 02 कल्याण मंडपम (क्वेंशन सेंटर) की सौगात दी। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। कल्याण मंडपम की शुरुआत को उन्होंने गरीबों के लिए सस्ती और सम्मानजनक सामुदायिक सुविधाओं की दिशा में बड़ा कदम बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां पहले शादी–ब्याह जैसे पारिवारिक आयोजनों के लिए लोगों को महंगे विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब केवल 11,000 से 25,000 रुपये में आधुनिक सुविधाओं से युक्त मंडपम बुक किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक नगर निगम और गोरखपुर विकास प्राधिकरण मिलकर पांच कल्याण मंडपम बना चुके हैं, अन्य प्रक्रिया में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता ने मुझे विधायक चुना, उसी पैसे में से 01.86 करोड़ लगाकर कल्याण मंडपम तैयार करवाया गया है। शेष राशि विकास प्राधिकरण ने दी। उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण को इसके लिए धन्यवाद भी दिया।

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर का रामगढ़ताल आज पर्यटन और शहरी सौंदर्यीकरण का मॉडल बन गया है। अब चिलुआताल को भी उसी दिशा में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने रवि किशन पर तंज किया कि अब कोई भी नागरिक रामगढ़झील शीशमहल तक जाने की मजबूरी में नहीं रहेगा, क्योंकि उनके पास अब वैकल्पिक सुविधा मौजूद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर से लखनऊ की दूरी अब महज तीन घंटे में पूरी की जा सकती है। पहले इसमें 07 से 08 घंटे लगते थे। उन्होंने बताया कि अब यहां सड़कों, ट्रेनों और मेडिकल सेवाओं की बेहतर कनेक्टिविटी लोगों की जिंदगी आसान बना रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ साल पहले तक गोरखपुर में इंसेफेलाइटिस के कहर से हजारों बच्चों की मौत होती थी, लेकिन अब ना केवल बीमारी का इलाज हुआ है, बल्कि बीमार मानसिकता वाले माफियाओं का भी उपचार हुआ है। आज गोरखपुर माफिया से मुक्त है। व्यापारी, बेटी और आमजन सभी सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ कार्य कर रही है। आज तक 57 लाख से अधिक गरीबों को आवास मिला, वह भी बिना चेहरा या पार्टी देखे। उन्होंने बताया कि अब हर गरीब को आयुष्मान भारत योजना या मुख्यमंत्री राहत कोष से निशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है। सीएम योगी ने याद दिलाया कि पिछली सरकारों ने जो फर्टिलाइजर कारखाना बंद कर दिया था, उसे दोबारा चालू किया गया है। जो अब गोरखपुर के विकास का प्रतीक बन गया है।

लड़की को गोद में बैठाकर लड़के ने दौड़ाई मोटर साइकिल, पुलिस ने काटा 2500 रुपये का चालान

संवाददाता–गोरखपुर। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के नौका विहार रोड का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें एक युवक बाइक की टंकी पर लड़की को बैठाकर गाड़ी चला रहा है। युवती उससे लिपटी नजर आ रही है। वीडियो वायरल होने के बाद गोरखपुर पुलिस ने बाइक का 2500 रुपये का चालान काटा है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को यूपी पुलिस के एक्स हैंडल को टैग करके एक रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के नौकायन का एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें एक युवक बाइक की टंकी पर एक लड़की को बैठाया हुआ है। जो युवक से लिपटकर बैठी है। दोनों नौकायन रोड पर चलती बाइक पर लिपटे नजर आ रहे हैं। युवक बड़े आराम से बाइक चला रहा है। जबकि बाइक की टंकी पर बैठी लड़की युवक से लिपटी हुई नजर आ रही है। वे दोनों एक दूसरे को देखकर हंसी मजाक भी कर रहे हैं। जबकि सड़क किनारे उन्हें देख रहे लोगों की जरा भी चिंता नहीं है। सड़क किनारे खड़े लोग ताल किनारे लगे रेलिंग पर खड़े होकर नजारा देख रहे हैं। जब बाइक उधर से गुजर रही है, तब सबकी नजर उस पर टिक जा रही है। लोग गर्दन घुमाकर बाइक सवार लड़के और लड़की को देख रहे हैं। एक्स पर वीडियो शेयर होते ही यूपी पुलिस ने गोरखपुर पुलिस को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। इसके बाद गोरखपुर पुलिस ने उस बाइक का 2500 रुपये का चालान कर दिया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. इण्टर मीडिएट वर्ष **2023** अनुक्रमांक **2237320727** का प्रमाण पत्र–सह–अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(प्रियंका चौधरी)
पुत्री श्री राजेश कुमार चौधरी
ग्राम– पिपरी
पोस्ट–सबदेइया कला
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्‌घोषणा
न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 05 / 2024
1. सुशीला देवी उम्र 57 वर्ष लगभग पत्नी स्व0 सन्त कुमार 2. जितेन्द्र कुमार आर्य उम्र 38 वर्ष लगभग पुत्र स्व0 सन्त कुमार निवासी वार्ड नं0–21 सुवाष नगर नगर पंचायत डुमरियागंज तप्पा हल्लौर परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर
–प्रार्थी / आवेदक
बनाम
ईस्टेट

तारीख पेशी 19–09–2025
प्रा0 पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने मृत को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 09 के 19 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2025 के 08 के 21 दिवस को दिनांकित।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0–C202417000000751
अपील सं0–751 / 2024
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त महोदय न्यायिक बस्ती जिला बस्ती
रविन्द्र उर्फ लालजी
बनाम
शैलेन्द्र विहारी आदि
1. कौशल किशोर 2. राजेश कुमार 3. सुभाष चन्द्र पुत्रगण स्व0 पारसनाथ 4. आनन्द कुमार 5. देवानन्द 6. सावन कुमार पुत्रगण संकटा प्रसाद साकिनान मौजा सिसवा बरूआर तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 7. चन्द्रभान (मृतक) 8. जय प्रकाश 9. कैलाशपति (मृतक) पुत्रगण लक्ष्मीनरायन साकिनान मौजा सिसवा बरूआर तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती 10. नगर पालिका परिषद बस्ती जरिये अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बस्ती जनपद बस्ती 11. सरकार उत्तर प्रदेश जरिए कलेक्टर महोदय बस्ती

तारीख पेशी 29–08–2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 29 महीना 08 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0–C202417000001287
अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त महोदय न्यायिक बस्ती जिला बस्ती
श्रीमती निर्मला
बनाम
कृपा शंकर आदि
1. कृपाशंकर सिंह दत्तक पुत्र लौटू उर्फ सन्तू सिंह 2. संजय सिंह 3. संदीप सिंह पुत्रगण कृपाशंकर सिंह 4. राज कुमार सिंह 5. कृष्ण कुमार सिंह पुत्रगण उदयशंकर सिंह 6. श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी उदय शंकर सिंह 7. दीपक सिंह 8. चन्दन सिंह पुत्रगण दुर्गा सिंह 9. हरिशंकर सिंह 10. दयाशंकर सिंह 11. उदय शंकर सिंह पुत्रगण रामकरन सिंह 12. प्रभूनाथ सिंह 13. शेषनाथ सिंह 14. सिद्धनाथ सिंह 15. रविनाथ सिंह 16. पाटन सिंह पुत्रगण शोहरत सिंह 17. श्रीमती विन्दू सिंह पत्नी रामशंकर सिंह साकिनान मौजा भेलवल तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती 18. सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्टर महोदय बस्ती

तारीख पेशी 29–08–2025
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 29 महीना 08 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

पंचायत के बाद ससुराल लौटी विवाहिता की संदिग्ध हालत मौत

संवाददाता–गोरखपुर। शनिवार की सुबह एक नव विवाहिता का शव उसके कमरे में बेड पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को महिला थाने से विवाहिता को पंचायत के बाद विदा कराकर ससुराल के लोग ले गए थे और शनिवार को उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शादी के बाद से विवाहिता अक्सर मायके में रहती थी। मृतक की मां ने ससुरालियों पर दहेज हत्या का केस दर्ज कराई है। गुलरिहा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खोराबा क्षेत्र के नौवा अव्वल के रहने वाले महेंद्र गुप्ता ने 23 वर्षीय बेटी संध्या गुप्ता की शादी 8 मई 2025 को गुलरिहा क्षेत्र के जंगल नाकिन छोटका टोला के रहने वाले अवनीश गुप्ता से की थी। शादी के बाद पति–पत्नी के बीच संबंध ठीक नहीं चल रहा था। इस वजह से संध्या अक्सर मायके में रहती थी। शुक्रवार को महिला थाने में लड़का व लड़की पक्ष की पंचायत हुई और लड़की को युवक विदा कराकर अपने घर ले गया था,शनिवार की सुबह संध्या का शव बेड पर पड़ा मिला,वही कमरे का दरवाजा खुला था। सुबह मृतका के ससुराल पक्ष ने डायल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची गुलरिहा पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी गृह भेज दिया है। मृतका की मां ने गुलरिहा पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया है कि शादी के बाद से ससुराल के लोग बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। दहेज की मांग की बात बेटी अपनी मां से बताती थी। धीरे–धीरे सब ठीक हो जाएगा इसी बात के इंतजार में शनिवार की सुबह फोन पर सूचना मिला कि बेटी संध्या को उसका पति अवनीश, ससुर ओमप्रकाश,सास सुमित्रा,ननद गुड़िया व मनीषा मिलकर दहेज के लिए हत्या कर दी। वहीं लड़का पक्ष का आरोप है कि शादी से पहले संध्या का गांव के एक युवक से प्रेम संबंध था। इस वजह से वह अक्सर मायके भागकर जाती थी। शादी के बाद से पति को कभी नजदीक नहीं आने दी थी।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 14 / 2014
प्रमात्मा प्रसाद आदि
बनाम
गिरजादत्त आदि
1 / 1 / 1 श्रीमती जानकी देवी पत्नी गिरजेशदत्त मृतक 1 / 1 / 2 सुशील पाण्डेय 1 / 1 / 3 सत्येन्द्र पाण्डेय 1 / 1 / 4 रोहन पाण्डेय पुत्रगण स्व0 गिरजेशदत्त 1 / 2 पवन पाण्डेय पुत्र गिरजादत्त 1 / 3 उमेश पाण्डेय पुत्र गिरजादत्त निवासीगण मौजा रामपुर रेवटी तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील वो जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–09–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 09 के 23 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com